परिशिष्ट-3

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिंदी

सेमेस्टर- 3

(2023-2024, 2024-2025 एवम् 2025-2026 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र -11 भाषा–विज्ञान Core Course-11

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. भाषा और भाषा -विज्ञान –
भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण,भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार, भाषा-संरचना और भाषिक -प्रकार्य. भाषा- विज्ञान-स्वरूप एवम् व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई-2. स्वनप्रक्रिया - स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण,स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिम विश्लेषण।

इकाई-3. व्याकरण- रूप-प्रकिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद-मुक्त-आबद्ध, अर्थदर्शी और संबंधदर्शी, संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य, वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य-विश्लेषण, निकटस्थ-अवयव विश्लेषण, गहन-संरचना और बाह्य-संरचना।

इकाई-4. अर्थविज्ञान -अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता,विलोमता, अर्थ-परिवर्तन, साहित्य और भाषा -विज्ञान -साहित्य के अध्ययन में भाषा-विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5 × 2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. भाषा-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी (किताब महल, इलाहाबाद)
2. भाषा-विज्ञान की भूमिका-देवेन्द्रनाथ शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन)
3. भाषा-विज्ञान-श्यामसुंदर दास (अनु प्रकाशन, जयपुर)
4. सामान्य भाषा-विज्ञान-डॉ.बाबूराम सक्सेना (हिंदी साहित्य सम्मेलन,प्रयाग)
5. भाषा-विज्ञान एवम् भाषा-शास्त्र-डॉ.कपिलदेव द्विवेदी (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)
6. भाषा-विज्ञान-सैद्धांतिक चिंतन- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7. समसामयिक भाषा- विज्ञान-डॉ.कविता रस्तोगी (सुलभ प्रकाशन, लखनऊ)
8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास-डॉ.देवेन्द्रप्रसाद सिंह (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

****

दि.12/05/2023

डॉ.उत्तम पटेल

प्रश्नपत्र – 12. हिंदी साहित्य का इतिहास Core Course-12

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई- 1. इतिहास-दर्शन और साहित्येतिहास, हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
हिंदी साहित्य का इतिहास- काल-विभाजन,सीमा-निर्धारण और नामकरण।

इकाई- 2. हिंदी साहित्य-आदिकाल की पृष्ठभूमि,सिद्ध और नाथ साहित्य,रासो-काव्य,जैन-साहित्य।
हिंदी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्य-धाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई- 3. भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक-चेतना एवम् भक्ति-आंदोलन, विभिन्न काव्य-धाराएँ तथा उनका वैशिष्ट्य, प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।
भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य-ग्रंथ,सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवम् लोक-जीवन के तत्व।
राम और कृष्ण-काव्य,राम-कृष्ण-काव्येतर काव्य,भक्तितर काव्य, प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य,भक्तिकालीन गद्य-साहित्य।

इकाई-4. उत्तर मध्यकाल(रीतिकाल)की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंथों की परंपरा, रीति कालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ-रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त कीप्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ, रीतिकालीन गद्य साहित्य।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5 × 2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 2 और 3 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 1 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (वाणी प्रकाशन,इलाहाबाद)
2. हिंदी साहित्य का अतीत-भाग-१-२-आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिह
4. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)
5. हिंदी साहित्य का इतिहास डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली)
6. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.नामवर सिंह (लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद)
7. हिंदी साहित्य-उद्भव और विकास-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद)
9. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
10. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय (लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद)
11. हिंदी साहित्य : इतिहास और प्रवृत्तियाँ-डॉ.शिवकुमार शर्मा

दि.12/05/2023

डॉ.उत्तम पटेल

प्रश्नपत्र -13. भारतीय साहित्य Core Course-13

पाठ्य-पुस्तकें :

1.अग्निगर्भ-महाश्वेता देवी (बंगाली उपन्यास) (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)

2.मुलक-दलपत चौहान अनु.डॉ.किरन सिंह (गुजराती उपन्यास) (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई- 1. अग्निगर्भ-महाश्वेता देवी

महाश्वेता देवी का व्यक्तित्व और कृतित्व, 'अग्निगर्भ' की प्रमुख समस्या, 'अग्निगर्भ' उपन्यास की पृष्ठभूमि, बसाई टुडू, काली साँतरा की चारित्रिक विशेषताएँ, 'अग्निगर्भ' उपन्यास में लेखिका के विचारों की प्रासंगिकता

इकाई 2. मुलक-दलपत चौहान

दलपत चौहाण का व्यक्तित्व और कृतित्व 'मुलक' में चित्रित अस्पृश्यता की समस्या, 'मुलक' में चित्रित स्थानान्तरण की समस्या, 'मुलक' में चित्रित वर्ग-संघर्ष, 'मुलक' दलित समाज का दस्तावेजी चित्रण, मुलक के प्रमुख पात्र-भगत, मना की चारित्रिक विशेषताएँ।

इकाई- 3 . भारतीय साहित्य-

भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीयता का समाजशास्त्र।

इकाई-4. भारतीय साहित्य की समस्याएँ-

भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब, हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

अंक -विभाज़नः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5 × 2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. भारतीय साहित्य की भूमिका-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

२. भारतीय साहित्यःस्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ-के.सच्चिदानंद (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

३. भारतीय साहित्यः आशा और आस्था-डॉ.आरसु (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

४. गुजराती नवलकथा-रघुवीर चौधरी एवम् राधेश्याम शर्मा (गुजरात ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गांधीनगर)

५. भारतीय साहित्यः तुलनात्मक अध्ययन-सं.डॉ.ब्रजेश्वर वर्मा (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)

६. भारतीय.उपन्यास परंपरा और ग्राम-केन्द्री उपन्यास- भोलाभाई पटेल (पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद)

७. भारतीय साहित्य- डॉ.पाण्डेय-डॉ.अवस्थी (आशीष प्रकाशन, कानपुर)

८. हिंदी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन-डॉ.रामछबीला त्रिपाठी

९. भारतीय साहित्य-मूलचन्द गौतम (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

१०. भारतीय साहित्य की भूमिका-रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

११. तुलनात्मक साहित्य सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य-हनुमान प्रसाद शुक्ल(राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

१२. 'वी' दलित साहित्य विशेषांक-संपा.अजीत ठाकोर (गुजराती)

१३. प्रत्यायन-भी.न. वणकर

१४. भारतीय साहित्य-डॉ.नगेन्द्र (प्रभात प्रकाशन, दिल्ली)

१५. परमार, मोहन ने बीजाः गुजराती दलित साहित्य-स्वाध्याय अने समीक्षा-युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बॉर्ड, अमदावाद

दि.12/05/2023

डॉ.उत्तम पटेल

अथवा

प्रश्नपत्र - 14. B. हिंदी उपन्यास Core Course-14

पाठ्य-पुस्तकें: 1. धरती धन न अपना-जगदीशचंद्र (आधार प्रकाशन प्रा.लि.)

2. छप्पर-जयप्रकाश कर्दम (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 धरती धन न अपना-जगदीशचंद्र

'धरती धन न अपना उपन्यास' में अभिव्यक्त हरिजन समस्या,

'धरती धन न अपना उपन्यास' का कथा-शिल्प,

'धरती धन न अपना उपन्यास' के मुख्य पात्रों का चरित्र चित्रण।

इकाई-2 छप्पर-जयप्रकाश कर्दम

'छप्पर' में अभिव्यक्त दलित-चेतना, 'छप्पर' के प्रमुख पात्र-चंदन, सुक्खा,रमिया, रजनी,

'छप्पर' में चित्रित समस्याएँ।

इकाई-3 दलित साहित्य की विशेषताएँ, 'धरती धन न अपना' की भाषा-शैली, संवाद, उद्देश्य और शीर्षक।

इकाई-4 दलित साहित्य की अवधारणा, 'छप्पर' की भाषा-शैली, संवाद, परिवेश और शीर्षक।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5 × 2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. हिंदी उपन्यास-एक अंतर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

२. हिंदी उपन्यास-डॉ.सुषमा धवन (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

३. हिंदी उपन्यास की प्रवृतियाँ-डॉ.शशिभूषण सिहल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)

४. हिंदी उपन्यासः उपलब्धियाँ-डॉ.लक्ष्मीसागर वाष्णेय (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)

५. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास-डॉ.इन्द्रनाथ मदान (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

६. हिंदी उपन्यास का इतिहास-गोपाल राय (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

७. उपन्यास की समकालीनता-ज्योतिष जोशी(राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

८. समकालीन हिन्दी उपन्यास: समय से साक्षात्कार-एलाङ्वम विजयलक्ष्मी(राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

९. दलित आंदोलन और बांग्ला साहित्य-कृपाशंकर चौबे(राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

१०. दलित साहित्य का समाजशास्त्र-हरिनारायण ठाकुर(राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

****

डॉ.उत्तम पटेल

दि.12/05/2023

प्रश्नपत्र – 15. लोक-साहित्य एवम् प्रमुख जनजातीय आंदोलन Core Course-15

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र:

इकाई-1 लोक-संस्कृति: अवधारणा, लोक-वार्ता और लोक-संस्कृति, लोक-संस्कृति और साहित्य।

लोक-साहित्य: अवधारणा, संस्कृत वाङ्गमय में लोकोन्मुखता।

वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक-साहित्य का अंतःसंबंध।

लोक-साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध।

भारत में लोक-साहित्य के अध्ययन का इतिहास।

लोक-साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवम् संकलन की समस्याएँ।

इकाई-2. लोक-साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरणः लोक-गीत, लोक-नाट्य, लोक-कथा, लोक-गाथा, लोक-नृत्य-नाट्य, लोक-संगीत।

लोक-गीतः संस्कार-गीत, व्रत-गीत, श्रम-गीत, ऋतु-गीत, जाति-गीत।

लोक-नाट्य: रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वाँग, यक्षगान, भवाई संपेडा, विदेसिया, माच, भाँड़, तमाशा, नौटंकी, जात्र, कथकली।

दक्षिणी गुजरात की किसी एक बोली के लोक-साहित्य का अध्ययन।

इकाई-3 लोक-कथाः व्रत-कथा, परी-कथा, नाग-कथा, बोध-कथा, कथानक-रूढ़ियाँअथवा अभिप्राय।

लोक-गाथाः ढोला-मारू, गोपीचंद भरथरी, नल-दमयंती, लैला-मंजनूँ, हीर-राँझा, सोहनी- महीवाल, लोरिक-चंदा, आल्हा-हरदौल।

लोक-संगीतः लोक-वाद्य तथा विशिष्ट धूनें, लोक-भाषाः लोक-सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ।

इकाई-4. प्रमुख जनजातीय आंदोलन-हूल/संथाल आंदोलन, मणिपुर का नागा आंदोलन, उलगुलान (मुण्डा) आंदोलन, मानगढ़ का भील आंदोलन।

अंक-विभाजन-

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5 × 2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4.इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. भारतीय लोक-साहित्य- श्याम परमार (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

२. लोक-साहित्य-डॉ.इन्दु यादव (साहित्य रत्नालय, कानपुर)

३. कुंकणा बोली के लोक गीत-डॉ.उत्तम पटेल (शांति प्रकाशन, अहमदाबाद)

४. भोजपुरी लोक-साहित्य का अध्ययन-डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय

५. लोकसाहित्य की भूमिका- डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय(साहित्य भवन, इलाहाबाद)

६. लोक-साहित्यःसिद्धांत और प्रयोग-डॉ.श्रीराम शर्मा

७. लोकः परंपरा, पहचान और प्रवाह (राधाकृष्ण प्रकाशन)

८. रामलीलाः परंपरा और शैलियाँ (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)

९. आदिवासी शौर्य एवम् विद्रोह-संपा. रमणिका गुप्ता (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)

१०. आदिवासी विद्रोह-केदारनाथ मीणा (अनुज्ञ बुक्स)

दि.12/05/2023

डॉ.उत्तम पटेल